No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-11

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

05955

जून, 2019

एम.एच.डी.-11 : हिन्दी कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है । शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

   (क) घर पहुँचकर दो दिन तक बेसुध पड़ा रहा हिरामन । होश में आते ही उसने कान पकड़कर कसम खायी थी – अब कभी ऐसी चीज़ों की लदनी नहीं लादेंगे । चोरबाज़ारी का माल ? तोबा, तोबा ! ...... पता नहीं मुनीमजी का क्या हुआ ! भगवान जाने उसकी सग्गड़ गाड़ी का क्या हुआ ! असली इस्पात लोहे की धुरी थी । दोनों पहिये तो नहीं, एक पहिया एकदम नया था । गाड़ी में रंगीन डोरियों के फुँदने बड़े जतन से गूँथे गये थे ।

   (ख) शकलदीप बाबू कुछ देर तक आँखों को साश्चर्य फैलाकर अपने लड़के को देखते रहे, जैसे किसी आनंददायी रहस्य का उन्होंने अचानक पता लगा लिया हो । फिर वे चुपचाप धीरे-से पीछे हट गए और वहीं खड़े होकर जरा मुस्कराए और फिर दबे पाँव धीरे-धीरे वापस लौटे और अपने कमरे के सामने ओसारे के किनारे खड़े होकर आसमान को उत्सुकतापूर्वक निहारने लगे ।

(ग) गाड़ी जब हावड़ा स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर प्रवेश करती है तो जाने कैसी विचित्र आशंका, विचित्र-से भय से मेरा मन भर जाता है । प्लेटफॉर्म पर खड़े असंख्य नर-नारियों में मैं इरा को ढूँढ़ती हूँ । वह कहीं दिखाई नहीं देती । नीचे उतरने के बजाय खिड़की में से ही दूर-दूर तक नजरें दौड़ाती हूँ । ...... आखिर एक कुली को बुलाकर, अपना छोटा-सा सूटकेस और बिस्तर उतारने का आदेश दे, मैं नीचे उतर पड़ती हूँ । उस भीड़ को देखकर मेरी दहशत जैसे और बढ़ जाती है । तभी किसी के हाथ के स्पर्श से मैं बुरी तरह चौंक जाती हूँ । पीछे देखती हूँ, तो इरा खड़ी है ।

(घ) मैं सड़क पार कर लेता हूँ । जंगली, बेमहक लेकिन खूबसूरत विदेशी फूलों के नीचे ठहर-सा जाता हूँ कि जो फूल, भीत के पासवाले अहाते की आदमक़द दीवार के ऊपर फैल, सड़क के बाजू पर बाँहें बिछाकर झुक गये हैं । पता नहीं कैसे, किस साहस से व क्यों, उसी अहाते के पास बिजली का ऊँचा खम्भा – जो पाँच-छह दिशाओं में जाने वाली सूनी सड़कों पर तारों की सीधी लकीरें भेज रहा है – मुझे दीखता है और एकाएक ख़याल आता है कि दुमंजिला मकानों पर चढ़ने की एक ऊँची निसैनी उसी से टिकी हुई है । शायद, ऐसे मकानों की लम्ब-तड़ंग भीतों की रचना अभी भी पुराने ढंग से होती है ।

2. 'नई कहानी' आन्दोलन में फणीश्वर नाथ रेणु के योगदान को रेखांकित कीजिए । *10*

3. 'डिप्टी कलक्टरी' कहानी का मूल्यांकन कीजिए । *10*

4. 'बदबू' कहानी का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए । *10*

5. 'मलबे का मालिक' कहानी के प्रमुख चरित्रों पर प्रकाश डालिए । *10*

6. " 'बोलने वाली औरत' कहानी की दीपशिखा आम मध्यवर्गीय परिवारों की स्त्रियों का प्रतिनिधित्व करती है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए । *10*

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) 'बायोडाटा' कहानी का कथ्य

   (ख) 'सिलिया' कहानी में अभिव्यक्त दलित स्त्री चेतना

   (ग) सचेतन कहानी

   (घ) काशीनाथ सिंह